No. J/A 588762

इन्टरमीडिएट परीक्षा, 2016

आई० ए० (I.A.)

Center Superintendent
St. Paul's College, Ranchi

28 पृष्ठों की उत्तरपुस्तिका

केन्द्राधीक्षक का हस्ताक्षर एवं मुहर

वीक्षक का हस्ताक्षर

[हाशिया (Margin) छोड़कर पन्नों के दोनों पृष्ठों पर लिखें]

रोल कोड (Roll Code)	क्रमांक (Roll No.)	पंजीयन संख्या Registration No.)		विषय (Subject)	लिपि (Script)	तिथि (Date)
		No.	वर्ष (Year)			
11066	30215	RA-0237	2014	Hindi (Elective)	देवनागरी	03.03.2016

लब्धांक (MARKS OBTAINED)

Question Number	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	TOTAL
Marks Obtained	13	4	9	4	3	4	7	5	5	7	58
Question Number	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
Marks Obtained	5	4	7	5	—	—	—	—	—	—	21
Question Number	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
Marks Obtained											
Question Number	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
Marks Obtained											
Grand Total	(In Words)	Seventy Nine						(In Figure)			79

परीक्षार्थी हेतु निर्देश

1. परीक्षार्थी ध्यान दें कि केवल एक ही उत्तर-पुस्तिका में पूरे प्रश्नों का उत्तर सीमित करना है। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी।
2. उत्तर लिखना शुरू करने के पहले प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए अपनी उत्तर-पुस्तिका के आवरण पृष्ठ पर अपना रोल कोड, रोल नं., पंजीयन संख्या एवं वर्ष, विषय, लिपि तथा तिथि *लिखना अनिवार्य है। परन्तु परीक्षार्थी को अपना अथवा अपने कॉलेज का नाम कदापि नहीं लिखना है। परीक्षार्थियों को चेतावनी दी जाती है कि जिस उत्तर-पुस्तिका पर रोल कोड, क्रमांक और सूचीकरण संख्या स्पष्ट रूप से अंकित न होगी, उसे जाँची नहीं जायेगी।*
3. यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा में दूसरे को सहायता करता या किसी प्रकार से अवैध सहायता लेने की चेष्टा करता हुआ अथवा परीक्षा में अनुचित लाभ उठाने के लिए किसी दूसरे अवैध उपाय का अवलम्बन करता हुआ पाया जायेगा तो उसे परीक्षा से निष्कासित कर दिया जायेगा। परीक्षा में परीक्षार्थियों को परस्पर किसी प्रकार से विचार विनिमय का अधिकार न होगा। *परिषद् द्वारा दिये गए प्रवेश पत्र, उत्तर-पुस्तिका, प्रश्न-पत्र तथा नियमानुकूल निर्दिष्ट उपकरणों के अतिरिक्त परीक्षार्थियों को अपने साथ* परीक्षा कक्ष में मोबाईल, कैलकुलेटर, छाता, पुस्तक, किसी प्रकार का पत्र, पॉकेट बुक, नोट आदि या किसी भी प्रकार का कागज रखना वर्जित है, *भले ही उसका सम्बन्ध उस समय की परीक्षा के विषय से हो या न हो। इसका उल्लंघन करने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा से निष्कासित कर दिया जायेगा।*
4. *लिखने का सम्पूर्ण काम उत्तर-पुस्तिका पर ही किया जाय और उसका कोई भी पृष्ठ फाड़ा न जाए। परीक्षा खत्म होने के बाद उत्तर-पुस्तिका वापस लौटा देना आवश्यक है। इस उत्तर-पुस्तिका के बदले दूसरी उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जा सकती। जो लिखावट काटी हुई रहेगी उसकी जाँच नहीं होगी।* उत्तर-पुस्तिका में यदि कोई फटा पृष्ठ मिले तो उसे निकाल नहीं देना चाहिए बल्कि वीक्षक को दिखाकर *उसे मोड़ देना चाहिए।*
5. *प्रश्न-पत्र पर कोई उत्तर या कोई भी दूसरी बात लिखना वर्जित है।*
6. *प्रश्न-पत्र वितरण के बाद एक घंटे तक कोई भी परीक्षार्थी अपनी उत्तर-पुस्तिका वापस नहीं कर सकते हैं।*

परीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर एवं मुहर
(Full Signature of Examiner with Seal)

PRATIMA SINGH
LECTURER (HINDI)
+2 HIGH SCHOOL GOVINDPUR

प्रधान परीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर एवं मुहर
(Full Signature of Head Examiner with Seal)

नोट - प्रत्येक पृष्ठों में अंकित दोनों हाशिया (Margin) के बीच में प्रश्नों का उत्तर लिखें।

2 Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer, (including Heading) Use Black/Blue ink

1.

क) → बुढ़ापे का वास्तविक आनन्द आत्मसंतोष है।
उन्हें ही आत्मसंतोष मिलता है जो कर्मशील होते हैं, अपना कार्य समाप्त करने पर ही उन्हें आत्मसुख मिलता है। 2 1/2

ख) → वास्तविक आनन्द उसी को मिलता है, जो अपने कर्म को लेकर चिन्तित रहते हैं, वे भविष्य की चिन्ता करते हुए आपना कार्य समाप्त करते हैं और तब उन्हें आनन्द आत्मसुख के रूप में मिलता है। 2 1/2

ग) → वैसे लोग जो एकमात्र शरीर - सुख को ही अपना लक्ष्य मानते हैं, उन्हें वास्तविक आनन्द से वंचीत रहना पड़ता है। 2 1/2

घ) → जिन लोगों में अदम्य साहस, स्फूर्ति एवं उत्साह मरा हुआ होता है, वैसा व्यक्ति उन्हें अपना शिकार कभी नहीं बना सकती। 1/2

ङ) → इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है — "आत्मसंतोष" 2

च) → तरुण — गुणवाचक विशेषण
कर्मशील — गुणवाचक विशेषण। 2

3. Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

2. क) यहाँ आसमान से सन्ध्या सुन्दरी की उतरने कि बात कही गयी है। 1

ख) कवि ने संध्या कि तुलना परी से कि है। 1

ग) "तिमिरांचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास" में कवि ने यह सपष्ट किया है कि तिमिर यनि अंधकार के आंचल में यह संध्या सुन्दरी धीरे-धीरे आसमान से उतर रही है, उसमें बिलकुल भी चंचलता नहीं है। 1/2

घ) संध्या सुन्दरी के अधर को कवि ने मधुर कहा है। 1/2

ङ) धीरे-धीरे तथा मधुर-मधुर में अनुप्रास अलंकार है। 1/2

3. 'अनुशासन की जीवन में भूमिका'

भूमिका :- अनुशासन का अर्थ है किसी भी कार्य को एक निश्चित तथा विशेष कार्यक्रम के अनुसार करना। प्रसिद्ध लेखक रूसो के अनुसार आदमी बीना किसी बन्धनों के जन्मा है, परन्तु वह आज अनेक बन्धनों में बंधा हुआ है, इस कथन में

4

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer, (including Heading) Use Black/Blue ink only.

शायद वह अनुशासन के बारे बात कर रहे हैं क्योंकि, आज के युग में अनुशासन ही वो बंधन है जिसके कारण व्यक्ति अपनी जिवनशैली को तथा अपने कर्तवों कर्तव्यों को पूरा करता है वो भी समय पर।

✳ अनुशासन का हमारे जीवन पर प्रभाव :-

अनुशासन हर एक व्यक्ति के जिवन को प्रभावीत करता है चाहे वो एक शिक्षक हो, डॉक्टर हो, छात्र हो या एक मजदूर हो। छात्रों के जिवन पर तो इसका विशेष प्रभाव रहा है, यदि छात्र अनुसासित नहीं रहते तो वह आदर्श नहीं कहलाते हैं। हर कोई अपने कार्यों को पूरा करने के लिए अनुशासन को मनता है।

✳ अनुशासन का महत्व :- अनुशासन का हमारे जिवन में विशेष महत्व है, हम सब इस बात से वाकिफ हैं कि समय किसी के लिए नहीं रुकता, और यदि हम चाहते है कि हम अपना कार्य समय पर पूरा करें तो हमें अनुशासित होना पड़ेगा।

✳ निकर्ष :- प्रकृति, मनुष्य, जानवर सभी किसी किसी न किसी अनुसाशन के अधीन है, हम सबों को प्रकृति से

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

अनुशासन में रहना सिखना चाहिए, जिस तरह से प्रकृति में हर एक ऋतु समय पर आती है, पृथ्वी अपना एक चक्र पूरा करने में 24 घंटे लगाती है, तथा सूर्य के चक्कर काटने में 365 दिन लगाती है, ऑस और यह सब समय पर होता है एक अनुशासित ढंग से, उसी प्रकार हमें भी अपने जिवन को अनुशासित होकर जीना चाहिए तभी हमें सफलता मिलेगी। सफलता प्राप्त करने का मेहनत, समय पर कार्य करना, अनुशासन में रहने के अलवा और कोई दूसरा विकल्प नहीं होता अत: हमें अनुशासित ढ़ंग से रहना चाहिए।

4. सेवा में,
सम्पादक महोदय,
प्रभात खबर, राँची

दिनांक :- 11.12.16

विषय :- बढ़ते प्रदूषण तथा अनियंत्रित पेड़ पौधों कि कटाई के समाधान हेतु पत्र।

श्रीमान,
मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में बढ़ते हुए प्रदूषण तथा अनियंत्रित पेड़ पौधों कि कटाई कि ओर आकर्षित

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

करना चाहूँगी। कुछ साल पहले राँची जंगलों से भरा हुआ था यहाँ नाना प्रकार के वृक्ष एवं वनस्पतियाँ थीं, परन्तु आज यहाँ केवल नाम मात्र कि वनस्पत्ति रह गई है। यहाँ से पेड़ों कि अनेक प्रजातियाँ विलुप्त हो चुकी है और इसका मुख्य कारण है औद्योगिकिरण, बढ़ती हुई जनसंख्या तथा लोगों का लालच।

लोग अपने हितों के लिए इस क्षेत्र को बंजर भूमि बनाने पर तुले हुए हैं, यहि नहीं प्रदूषण भी दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, स्वर्णरेखा नदी तो मानो जैसे नाले में तब्दील होने वाली है, यहाँ का तापमान भी वायु प्रदूषण के कारण बढ़ता जा रहा है, यहाँ की मिट्टी अब उर्वरक नहीं रही। यदि इन सब बातों तो नजरअंदाज किया गया तो एक समय यह आएगा कि लोग खाने तथा पीने के लिए दर-दर भटकेंगे।

लोगों को अब इस प्रकृति को बचाने के लिए जागरूक होना पड़ेगा तभी वे स्वयं को विनाश से बचा सकते हैं। कहते हैं न 'भरता क्या नहीं करता', शायद अब यही सोच लोग प्रकृति को ठेस न पहुंचाएं और प्रदूषण को रोकें।

धन्यवाद।

~~भवदीय~~

क. भवदीय,

क, ख, ग।

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

5. आदर्श समाचार - लेखन की मुख्या दस विशेषतायें हैं :-

i) नविनता
ii) निकटता
iii) महत्वपूर्ण लोग
iv) नितिगत ढ़ाँचा
v) जनरुचि
vi) लोकमत प्रभाव
vii) संपादकीय निति
viii) रोचकता
ix) महत्वपूर्ण जानकारियाँ
x) पाठक वर्ग।

3

6. 'समाज में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण'

२५ अप्रैल, 2016— हमारा भारतीय समाज में अनेक सम्प्रदाय के लोग एक साथ निवास करते हैं। समाज विभिन्न लोगों का एक समुह है और आज लोग स्वंय को सम्प्रदाय के अनुसार विभाजित कर रहें है। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का अर्थ है साम्प्रदायिक आधारों पर स्वंय को विभिन्न अलग साम्प्रदायों से अलग मानना। भारत में साम्प्रदायिकता अपने चरम पर है।

यहाँ कि भूमि ने अनेक साम्प्रदायों को जन्म दिया है और शायद

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue Ink only

यह इसी का फल है कि लोग आज साम्प्रदायिक आधार पर एक दूसरे से लड़ते रहते हैं। यदि किसी एक सम्प्रदाय के लोग किसी एक स्थान पर कुछ असामाजिक कार्य करते हैं तो इसका बदला किसी और स्थान पर लिया जाता है। साम्प्रदायीक दंगे इसका मुख्य उदाहरण है।

यदि हम आज की बात करें तो अभी जो हरियाणा में जाट तथा गुज्जरों के बीच जैसी आक्रोश असंतोष कि भावना इसी साम्प्रदायिक ध्रुविकरण का फल है। यहाँ लोग इतने क्रूर हो गए कि वह मानवता के सभी मूल मंत्रों को भूल अपने साम्प्रदायिक हितों के बारे सोचते हैं। लोग साम्प्रदायिक आधार पर अशांति, दहशत इत्यादि फैलाते हैं, पर वे ये नहीं सोचते जो लोग उन्हीं के संप्रदाय के हैं और बाहर हैं उनके साथ यदि ऐसा ही बरताव वहाँ के लोग करें तो क्या होगा।

मनुष्य सिर्फ 'स्व' कि सोच रख मनुष्यता भूल जाता है, परन्तु यदि वह यह सोच त्याग दे तो जो शांति और प्रसन्नि प्रसन्नता उसे प्राप्त होगी वह अतुलनिय है, इसलिए हमें अपनी सोच बदल कर सदैव शांति और प्रेम का मार्ग अपनाना चाहिए।

9 Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

7. जनम अवधि ---------- न गेला

प्रसंग :- यह पंक्तियाँ महाकवि विद्यापति द्वारा रचित पाठ 'पद' से लिया गया है, जो हमारी पाठ्य पुस्तक अंतरा भाग - 2 में संकलित है। इन पंक्तियों में विरहणी राधा का श्रीकृष्ण के प्रति अटूट प्रेम को दर्शाया गया है।

व्याख्या :- राधा श्रीकृष्ण से अटूट प्रेम करती है और शायद यही कारण है कि आज भी उनके नेत्रों को तृप्ती नहीं मिली है, वह कहती है कि जन्म के समय से ही मैंने तुम्हें तुम्हारे रूप को निहारा है, परन्तु आज भी, इनकी प्यास नहीं बुझी है, साथ ही में, तुम्हें बचपन से सुनती आ रही हूँ परन्तु आज भी मेरे कान तुम्हारे आवाज को सुनने के लिए सदैव व्याकुल रहते हैं।

विशेष :- i) प्रेम रस का वर्णन है।
ii) मैथिलि भाषा का प्रयोग है।
iii) राधा - कृष्ण के प्रेम का चित्रांकन हुआ है।
iv) सटीक शब्दों का प्रयोग है।

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

8 क) 'तोड़ो' कविता में कवि केदारनाथ सिंह ने बन्धनों को तोड़ने की प्रेरणा दी है। यह कविता एक जरूकगता का लाने वाली कविता है, जिसमें कवि ने लोगों को व्यर्थ के बन्धनों को तोड़ कर बंधन से मुक्त होकर, जागरूक हो जाने को कहा है। 2½

ख) कवि मलिक मोहम्मद जायसी ने बारहमासा में विरह कि अग्नी में जल रही नायिका नागमति कि प्रेम तथा विरह के कारण हुई दुर्दशा की अभिव्यक्ति कि है। इसमें – माघ, फागुन, पुस तथा अगहन मास का वर्णन है जिसमें विरहणी नगमति अपने प्रेमि को याद कर रही है। 2½

5

9. क) श्री रघुनाथ - - - - - - - - - - - - जराइ- जरी।

i) कवि केशवदास ने उचित तथा सटिक शब्दों का प्रयोग किया है।

ii) इसमें अंगद तथा रावण के बिच हुए वार्तालाप का चित्रण है।

iii) इसमें अलंकारों का प्रयोग है।

iv) काव्य कि भाषा अवधी है।

v) श्रीराम का गुणगान। 2½

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

ख) अद्भुत - - - - - - - - - - - - फूल में है।

i) बनारस की सुंदरता का वर्णन है।

ii) काव्य भाषा खड़ी-बोली हिन्दी है।

iii) ~~का~~ मात्रिक शब्दों का प्रयोग हुआ है।

iv) अलंकार का प्रयोग है।

v) बनारस के वैभव, ~~सांझ~~ सांझ का दृश्य दृश्य का विचित्र चित्रण हुआ है।

10. मन ही मन - - - - - - - - - - रह गए।

प्रसंग :- ~~ह~~ यह पंक्ति ममता कालिया द्वारा रचित पाठ दूसरा देवदास पाठ से लिया गया है। इन पंक्तियों में संभव का पारो के प्रति प्रेम की भावना का ~~उपन्न~~ उतपन्न होने का चित्रण किया गया है। इसमें संभव का पहली नजर में पारो के प्रति उसके प्रेम और उसकी दिल में पारो के प्रति प्यार का वर्णन है।

व्याख्या :- संभव पारो से पहली बार गंगा स्नान करने के बाद मंदिर में मिला था और तबसे वह

 Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink on

उससे प्रेम कर बैठा था। पारो की छवी पर वह पहले नजर में ही लट्टू हो गया था। वह उसे याद करता रहता था। उसने एक दिन उसे याद करते हुए उसके माथे पर बिंदी सजा दी, वह संभव उसका नाम - पता कुछ नहीं जानता था, वह बस इतना जानता था कि वह उससे प्रेम कर बैठा है और यह भावना उसे पारो की हमेशा याद दिलाती रहती थी, यही नहीं वह पारो को याद कर प्रेम भरे गीत जैसे - माँग में तारे भर दूँ, याद करता रहता था। प्रेम सचमुच बहुत ~~खुबरू~~ ~~खुबरु~~ खुबसूरत होता है उसे आज यह एहसास होने लगा था।

विशेष :- i) प्रेम भावना का चित्रण

ii) पहली नजर में हुए प्रेम का चित्रण

iii) संभव तथा पारो का एकदूसरे को बिना जाने प्रेम करने का वर्णन।

iv) सटीक तथा आकर्षक शब्दों का प्रयोग।

II. ग) → पाठ 'लघुकथा' में लेखक असगर वजाहत ने 'चार हाथ' शीर्षक के अंतर्गत मिल मालिक द्वारा मजदूरों को चार हाथ देने की कथा बताई है। जिसमें मिल मालिक अत्यंत कंजुस है और यही कारण है कि वह

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

वह ज्यादा मजदूर नहीं रखना चाहता, वह लालच में आकर मजदूरों को दो के जगह चार हाथ देने कि सोचता है, वह लकड़ी, लोहे तथा मानवीय हाथों को मजदूरों में जोड़ने कि कोशिश करता है, परन्तु इससे मजदूर मर जाते है और उसे हार होता है, अंत में वह मजदूरी कम कर ज्यादा मजदूर रख लेता है।

(ख) ख) → पाठ 'कुटज' में लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कुटज कि अपराजेय जीवनी शक्ति का वर्णन करते हुए कहा है कि कुटज इतने विषम विशम परिस्थितियों में भी, धूप, ठंडा, बरसात सब झेल कर इस बंजर भुमि पर जिवित है, यह छोटा सा पौधा किसी से नहीं डरता और अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति कि घोषणा करते हुए शान से जिता है।

12. जयशंकर प्रसाद

जन्म :— महाकवि जयशंकर प्रसाद का जन्म सन् 1888 में काशी के प्रसिद्ध सुंघनी साहु के घर पर हुआ था।

शिक्षा :- इन्होंने आठवीं तक ही विधिवत

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

शिक्षा ग्रहण की, तत्पश्चात वे घर पर ही संस्कृत, हिन्दी, उर्दू तथा फारसी का अध्ययन किये।

काव्यगत विशेषता :- ~~एवं~~ जयशंकर प्रसाद जी एक छायावादी कवि होने के साथ साथ श्रृंगार के भी कवि थे, वे एक प्रयोगवादी कवि भी थे। इन्होंने अपनी कविताओं में भारत के प्रति प्रेम की भावना को स्पष्ट किया है।

भाषा शैली :- इनकी भाषा बोल-चाल की हिन्दी थी, इन्होंने अपनी रचनाओं को अलंकार का प्रयोग कर और भी आकर्षक बनाया। इनकी रचनाओं में देशप्रेम युक्त राष्ट्रीय भावना, नारी सौंदर्य, ~~प्रे प्रा~~ प्रकृति प्रेम देखने को मिलता है।

रचना :- चिन्ता, आंगन के पार द्वार, स्कंदगुप्त, चंद्रगुप्त, हरी घास पर ~~क्ष~~ क्षण भर आदि।

मृत्यु :- जयशंकर प्रसाद जी की मृत्यु 1963 में हुई।

4

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

13.

ख)→ लेखक प्रभास जोशी के अनुसार हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गंदे पानी के नाले बना रही है क्योंकि वह अपने स्वार्थ के लिए प्रदूषण फैला रही है। आज की सभ्यता औद्योगिकीकरण के चपेट में आकर केवल उपभोग करने की सोच रखती है और विलासिता कि वस्तुओं का प्रयोग करती है तथा अपना जीवन आसान बनाने कि सोचती है, परन्तु वे इस बात से अनजान है कि उनकी इन्हीं स्वार्थों के कारण नदियां गंदे नालों में तब्दील हो रही हैं। 2½

ग)→ पाठ 'आवरोहण' में लेखक संजीव जब अपने गाँव पहुँचते है तब उनके गाँव के एक बुजुर्ग तिरलोक सिंह उनसे उनकी नौकरी के बारे पुछते है जिस पर संजीव बताते है कि वे 'पहाड़ पर चढ़ने' कि नौकरी करते है यह बात तिरलोक सिंह को कुछ अजीब लगी क्योंकि वह सोचते थे कि सिर्फ पहाड़ चढ़ने के लिए सरकार क्यों पैसे देगी और यदि ऐसा है तो सभी पहाड़िया लोग जो प्रतिदिन पहाड़ पर चढ़ते है तथा वहाँ रहते है उन्हें तनख्वाह क्यों नहीं मिलती, वह इस बात से अनजान थे कि पहाड़ पर चढ़ने कि ट्रेनिंग ही जाती है। 2½

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

ह) पाठ सूरदास की झोपड़ी में लेखक प्रेमचंद ने सूरदास तथा मिठुआ के व्यक्तिगत विशेषताओं को बताया है जो निम्नलिखित है :-

i) सुरदास अत्यंत सहनशील था।
ii) सुरदास अपने मन की बात को किसी से प्रकट नहीं करता था।
iii) वह बहकावे में आने वालों में से न था।
iv) मिठुआ आशावादी था।
v) मिठुआ को खेल-खेल में रोना पसंद न था।
vi) मिठुआ कि बातों के प्रभाव से सुरदास ने रोना छोड़ दिया।
vii) सुरदास हार मानना नहीं चाहता था।
viii) वह मिठुआ के बातों से प्रभावीत हो नई शुरुआत करनी कि सोचने लगा।

7 2

14. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ लेखक बिसनाथ त्रिपाठी द्वारा रचित है, इसमें उन्होंने अपने गाँव बिस्कोहर के सौंदर्य का वर्णन किया है। उन्होंने मूलतः बिस्कोहर की प्रकृति, वनस्पति, जीवों का वर्णन किया है।

विश्वनाथ त्रिपाठी ने रंगों और गंधों का उल्लेख किया है जो बिस्होर में पाए जाते हैं। वे कहते है कि यहाँ हर एक चीज कि अलग-अलग रंग हैं मानो जैसे इंद्रधनुष्य के सारे रंग यहाँ आकर सिमट गए हो, वे बताते है कि फुलों के साथ-साथ और भी ऐसी बहुत सी चीजें हैं

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

~~जो रंग और~~ जिनमें रंग और गंध है।
वे बताते है कि उनके पिताजी के पसीने
का गंध, उनके पिताजी के कुरते से
सुंघना उन्हें अत्यंत भाता था। वह
एक स्त्री के बारे बताते है जो उन्हें
अत्यंत भाती थी उसका रंग मानो चाँदनी
रात में खिले फूल कि तरह थी। ~~उसकी~~
उन्होंने ~~क~~ अनेक प्रकार के
फूल जूही, चमेली, कमल आदि का वर्णन भी
किया है और अपने इस लेख में
उन्होंने बिसकोहर के प्रकृतिक सौंदर्य को
उजागर करते है उसका बहुत ही सुन्दर
चित्रण किया है।

10

Pratima Singh

PRATIMA SINGH
LECTURER (HINDI)
+2 HIGH SCHOOL GOVINDPUR

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink or

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

 Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

 Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue Ink only.

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink on

JAC 2016 JAC 2016 JAC 2016 JAC 2016

 Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black/Blue ink only.

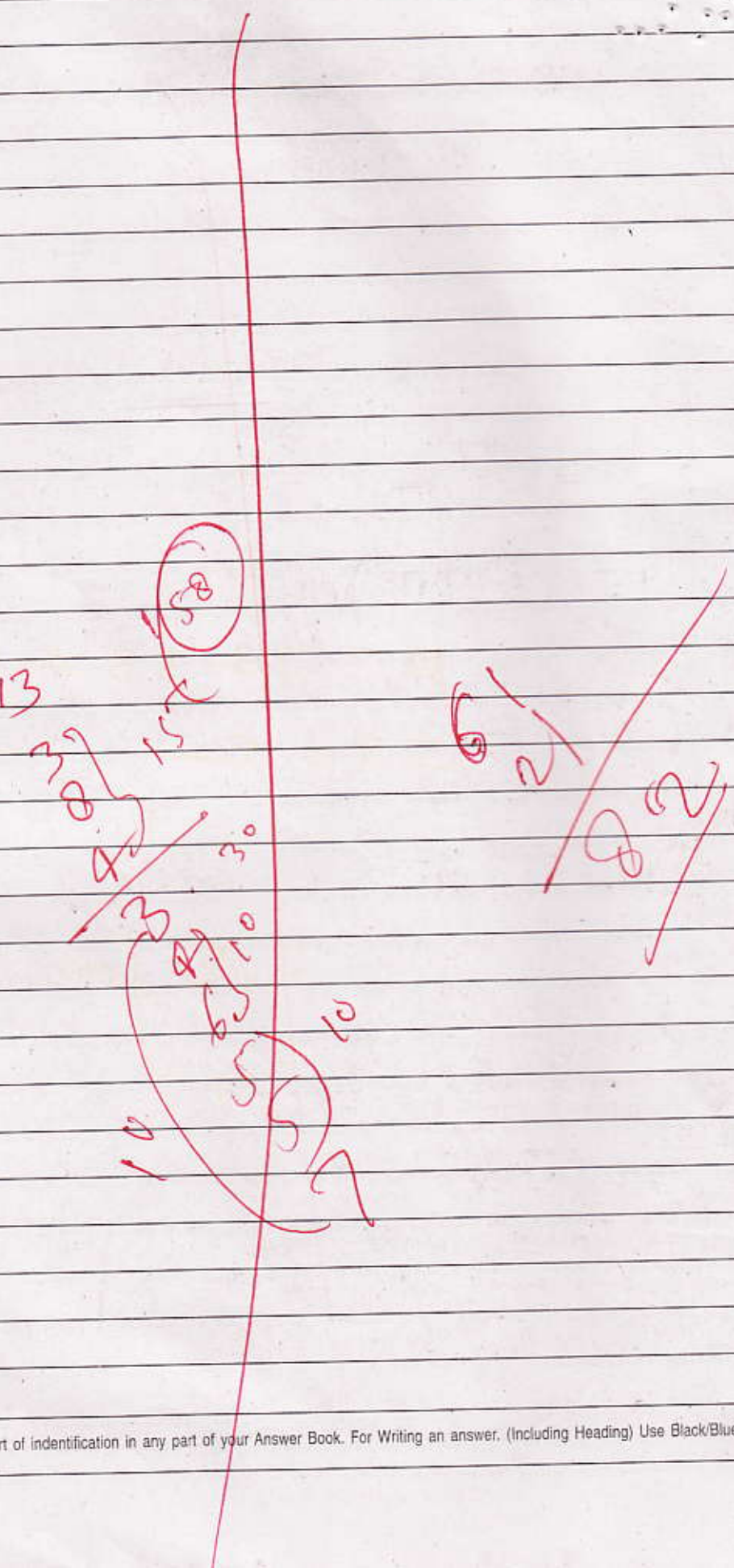

 Do not write your name or any mark part of indentification in any part of your Answer Book. For Writing an answer, (Including Heading) Use Black/Blue ink only